



SHRI NIKHIL VIGNYAN DHAM

श्री गुरुचरणकमलेभ्यो नमः

श्री गणेश चतुर्थि साधना - १४-०९-२०२६

लक्ष्मी विनायक मंत्र साधना

इस वर्ष, तृतीया युक्त चतुर्थि योग होने से, श्रेष्ठ योग बना है और अगर साधक इस दिन श्री गणेश जी की (प्रतिमा या यंत्र) की पूर्ण पूजन कर लक्ष्मी विनायक मंत्र साधना करे, तो विशेष कृपा प्राप्त कर सकते हैं।

विधान: ये रात्रि-कालीन साधना है। साधक या साधिका, सूर्यास्त के उपरान्त स्नान आदि से निवृत्त होकर पीले या लाल वस्त्र धारण कर पूर्व दिशा की ओर बैठें। सामने गुरु चित्र स्थापित करें और श्री गणेश जी की प्रतिमा या यंत्र का पूर्ण पूजन कर साधना आरंभ करें। मुंगा माला से निम्न मंत्र की २१ माला जप करें। नैवेद्य / भोग में बेसन के लड्डू या फल चढ़ाये।

मंत्र: ॥ ॐ श्रीं गं सौम्याय गणपतये वरवरद सर्वजनम्मे वशमानय स्वाहा ॥

सामग्री: श्री गणेश जी की प्रतिमा या यंत्र, मुंगा माला

जप संख्या: २१ माला
